



Himachal Pradesh  
Forest Department



आय सृजन गतिविधि  
व्यवसाय योजना  
कटाई और सिलाई  
अचार चटनी  
2024



एसएचजी/नाम  
वीएफडीएस नाम  
एफटीयू/रेंज  
डीएमयू/मंडल  
एफसीसीयू / सर्कल  
द्वारा प्रायोजित  
पीआईएचपीफेम और एल

: शीतला माता स्वयं सहायता समूह  
: कुठारना  
: धर्मशाला  
: धर्मशाला  
: धर्मशाला

द्वारा तैयार:-

डीएमयू धर्मशाला एफटीयू धर्मशाला और शीतला स्वयं सहायता समूह

## विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	5-6
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
उत्पादन योजना का विवरण	7
विपणन /बिक्री का विवरण	8
अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
वित् की आवश्यकता	10
निगरानी विधि	11
आचार बनाना	11-13
अर्थशास्त्र का विवरण	14-15
वित् आवश्यकता:	16-18
अनुलग्नक	19

## परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भू भाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालयके ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारह मासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसका आबादी घनत्व काफी है।

कांगड़ा जिला पंजाब की सीमा से सटा हुआ है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, कांगड़ा जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते बिलासपुर, हमीरपुर एवं चम्बा जिलों से जोड़ते है।

कांगड़ा जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी व्यास नदी मुख्य जीवन रेखा हैं। जिसमे पोंग बाँध का निर्माण किया गया है।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

कुठारना वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " शीतला माता "समान रूचि समूह, कटाई, सिलाई से संबंधित है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए दल जिसमें बबिता विषय विशेषज्ञ कार्यालय वनमंडल धर्मशाला, श्री जीवन लाल टांक सेवानिवृत्त हि प्र व से शामिल रहे और दिनेश शर्मा वन मंडल अधिकारी द्वारा विशेष रूचि एवं योगदान तथा मार्ग दर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा।

## कार्यकारी सारांश

### कुठारना वन ग्रामीण विकास समिति:-

कुठारना ग्रामीण वन विकास समिति कुठारना राजस्व मुहाल का हिस्सा है और ग्रामीण वन विकास समिति ग्राम पंचायत कुठारना के वार्ड न 4 में बनी है। यह हिमाचल प्रदेश में काँगड़ा जिले के शाहपुर ब्लॉक में स्थित है और 32°18'44" डिग्री उत्तर अक्षांश -76°15'16" डिग्री पूर्व देशांतर के बीच स्थित है। कुठारना ग्रामीण वन विकास समिति धर्मशाला वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) में धर्मशाला रेंज के करेरी वन ब्लॉक के सल्ली बीट के अंतर्गत आता है।

परिवारों की संख्या	45
बीपीएल परिवार	13 =28.9%
कुल जनसंख्या	137

### स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक शीतला माता स्वयं सहायता समूह का गठन जनवरी 2023 में कुठारना वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। शीतला माता स्वयं सहायता समूह महिला समूह (11 महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 11 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 50/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

स्वयं सहायता समुह का विवरण

क्रम संख्या	नाम	पति का नाम	सम्पर्क
1	सुमना देवी	विजय कुमार	6230148247
2	कांता देवी	दीप कुमार	9625999373
3	राधा देवी	बाबु राम	7807389361
4	सुनिता देवी	जोगींध्र सिंह	986528205
5	प्रिया देवी	प्रितो चन्द	8628958291
6	पिंकी देवी	तारा चंद	7807963589
7	निर्मला देवी	महेन्द्र सिंह	9816727879
8	सुशमा देवी	अश्वनी कुमार	7876460592
9	सीमा देवी	सवरुप कुमार	9817894737
10	अनीता देवी	देशराज	8580971482
11	काजल देवी	सुरेश कुमार	8091283696

शीतला माता स्वयं सहायता समूह

एसएचजी का नाम	::	शीतला माता
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	कुठारना
परिक्षेत्र	::	धर्मशाला
वन मण्डल	::	धर्मशाला
गांव	::	कुठारना
वन खंड	::	करेरी
ज़िला	::	कांगड़ा
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	11
गठन की तिथि	::	जनवरी 2023
बैंक का नाम और विवरण	::	KCC Bank Shahpur
बैंक खाता संख्या	::	50076477835
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.50/-माह
कुल बचत	::	36050/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

### गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	30 किमी
मेन रोड से दूर	:	30 km
	:	
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	धर्मशाला 30 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	:	धर्मशाला 30 किमी लगभग ।
	:	
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	:	धर्मशाला, चडी, रैत, शाहपुर
	:	
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	:	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिमकड़ी
	:	बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

### आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट, प्लाज़ो, अस्तर
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह पूरे सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतुष्टि बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

### उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार

प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट
-----------------------------	----	------------------

### विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्तर्निहित गांव – कुठारना
	::	आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

### संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

### सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

### अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (₹.)
सिलाई मशीन	09	8000	72000
इंटरलॉक मशीन	01	6000	6000
दर्जी कैंची	4	400	4400
सिलाई रूलर (फीता) सेट	03	600	1800
सिलाई दर्जी Tap	03	100	300
आयरन प्रेस	5	1000	5000
अलमारी	-	-	-
<b>कुल पूंजीगत लागत (₹) =</b>			<b>89500</b>

बी। आवर्ती लागत					
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					<b>7800</b>

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
<b>कुल</b>	<b>8400</b>

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

#### आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8700)	28,800
शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> <li>लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।</li> <li>IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा</li> </ul>

**वित्त की आवश्यकता:**

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	सी आईजी योगदान
कुल पूंजी लागत	89500	67125	22375
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
<b>कुल</b>	<b>147300</b>	<b>117125</b>	<b>30175</b>

**ध्यान दें-**

- पूंजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

**वित्त स्रोत:**

परियोजना का समर्थन:	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा।</li> <li>• SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे।</li> <li>• प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशल उन्नयन लागत।</li> </ul>	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	<ul style="list-style-type: none"> <li>□ पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा।</li> <li>□ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जायेगी</li> </ul>	

**प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन**

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

**ऋण चुकौती अनुसूची-** यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

### निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

### व्यवसाय योजना

#### आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन द्वारा

#### शीतला माता स्वयं सहायता समूह

### कार्यकारी सारांश

अचार बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन शीतला माता स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। यह आईजीए इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा प्रारंभ में गलगल, आंवला आदि का अचार और आंवला का चूर्ण बनाया जाएगा। यह गतिविधि इस समूह की कुछ महिलाओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय में की जाएगी। अचार बनाने की प्रक्रिया में लगभग 7 दिन लगते हैं। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पीसने, मिश्रण, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है। प्रारंभ में समूह गलगल और आंवलाके अचार का निर्माण करेगा। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

### आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

### उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- समूह गलगल, आंवला आदि का अचार बनाएगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय में की जाएगी।
- अचार बनाने की प्रक्रिया में लगभग 7 दिन लगते हैं।

- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पीसने, मिश्रण, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है।
- प्रारंभ में समूह मौसम के दौरान इलाके में उपलब्ध स्थानीय फलों के लिए प्रति माह 100 किलो अचार का निर्माण करेगा और अन्य उत्पाद भी बनाएगा जिसमें समान उत्पादन प्रक्रिया का उपयोग होता है।

### उत्पादन योजना का विवरण

गलगल के अचार का उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	7दिन
आंवला अचार का उत्पादन चक्र (दिनों में)		7 दिन
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	:	जैसी ज़रूरत
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय सामग्री
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
गलगल के अचार के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलोग्राम)	::	50 किलो गलगल के अचार के लिए 40 किलो गलगल और 10 किलो मसाला चाहिए
आंवला के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलोग्राम)		50 किलो आंवला अचार के लिए 35 किलो आंवला और 15 किलो मसाला चाहिए
प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	50 किलो प्रत्येक

### कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनु क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	राशि प्रति किलो (₹.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन मासिक (किग्रा)
1	गलगल	किलोग्राम	महीने के	100	20	2000	125
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	25	150	3750	
1	आंवला	किलोग्राम	महीने के	100	30	3000	125
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	25	150	3750	

### मार्केटिंग/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	शाहपुर 35 किमी, धर्मशाला 30 किमी लगभग
2	इकाई से दूरी	
3	बाजार में उत्पाद की मांग	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य, स्थानीय होटल व्यवसायियों से उनकी मांग के लिए हर महीने संपर्क करेंगे और बाजार में मांग, खुदरा विक्रेता /

		थोक विक्रेता का चयन / सूची करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	स्वयं सहायता समूहसदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद 0.5-1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	" शीतला माता गलगल का अचार और चटनी"

### शीतला माता स्वयं सहायता समूह के सदस्य वन मण्डलाधिकारी धर्मशाला के साथ

#### स्वोट विश्लेषण

##### ताकत -

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है
- घर का बना, कम लागत

##### कमजोरी -

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
- अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा।

##### मौका -

- मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
- दुकानों फास्टफूड स्टालों, खुदराविक्रेताओं, थोकव्यापारी, कैंटीनरेस्तरां और रसोइयागृहिणियों में उच्च मांग बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
- सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग।

##### खतरे / जोखिम -

- विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
- कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी।
- प्रतिस्पर्धी बाजार।

•

### सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा। (श्रम विभाग)

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात - कच्चे माल का संग्रह आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

### अर्थशास्त्र का विवरण :

ए।	पूंजी लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)	
1	ग्राइंडर मशीन (1-2 एचपी)	1	18000	18,000	
2	मिक्सर	2	4000	8,000	
3	सब्जी निर्जलीकरण	1	40000	40,000	
4	तोल मशीन	1	2000	2,000	
5	रसोईघर के उपकरण		लगभग	8000	
6	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी/रैक		लगभग	8000	
7	हाथ से संचालित जार सीलिंग मशीन	1	15000	15000	
8	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि	5	लगभग	1000	
	<b>कुल पूंजीगत लागत (ए) =</b>			<b>1,00,000</b>	
बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	गलगल	किग्रा/माह	100	20	2000
2	कच्चा माल (मसाला)	किग्रा/माह	50	150	7500
3	आंवला	किग्रा/माह	100	30	3000
4	पैकेजिंग सामग्री	महीना	लगभग	5000	5000
5	परिवहन	महीना	1	1000	1000
6	अन्य (स्थिर, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	1000	1000
7	आचार के दो क्विंटल उत्पादन के लिए दो घंटे / दिन। 03 दिन के लिए पांच महिलाओं के कुल 30 घंटे जोकि 8 घंटे के हिसाब से श्रम लागत 04	दिन	04	300	1200

दिन@ 300/- /दिन				
आवर्ती लागत				20700

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	20700
पूँजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	10000
<b>कुल</b>	<b>30700</b>

गलगल के अचार का विक्रय मूल्य गणना(प्रति चक्र)		
विवरण	इकाई	राशि (रु.)
बनाने की कीमत	किलोग्राम	82.8
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	200

आंवला अचार के लिए बिक्री मूल्य गणना (प्रति चक्र)		
विवरण	इकाई	राशि (रु.)
बनाने की कीमत	किलोग्राम	143
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	200-300
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	240

#### आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूँजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	10000
कुल आवर्ती लागत	9850
प्रति माह कुल उत्पादन गलगल का अचार (किलोग्राम)	125
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	200
आय सृजन (200*125)	25000
प्रति माह कुल उत्पादन आंवला अचार (किलो)	125
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	240
आय सृजन (240*125)	30000
शुद्ध लाभ	मासिक आधार पर 34300-
शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।
	लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा।
	IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

**वित्त आवश्यकता:**

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	100000	75000	25000
कुल आवर्ती लागत	20700	0	20700
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50,000	50,000	0
<b>कुल</b>	<b>170700</b>	<b>125000</b>	<b>45700</b>

**ध्यान दें-**

- पूंजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह /सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

**वित्त के स्रोत:**

परियोजना का समर्थन	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पूंजीगत लागत का 75% मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा</li> <li>• SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे।</li> <li>• प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।</li> </ul>	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है।</li> <li>• स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत</li> </ul>	

**प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन**

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

### ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

$$\begin{aligned} &= \text{पूँजीगत व्यय/विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन की लागत (प्रति किग्रा)} \\ &= 100000 / (200-82.80) \\ &= 854 \text{ किलो} \end{aligned}$$

इस प्रक्रिया में 854 किलो आचार बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा।

### आय के अन्य स्रोत:

ग्रामीणों/स्थानीय लोगों की गलगल, आवला, दाल, गेहूं, मक्का आदि पीसने से आय।

**बैंक ऋण चुकौती** - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

### निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए। निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:
- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 189500/-

आवर्ती लागत = 28500/-

आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 100000/-

आवर्ती लागत = 20700/-

सिलाई की कुल लागत है

पूंजीगत लागत- 89500/-

आवर्ती लागत- 7800/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 218000/-

(Approval letter)

शीला गान (Kutharna)

*Bankasi*

Signature of VFDs Pradhan

*इन्दरान इमर*

Signature of VFDs Secretary

*Sumra*

Signature of SHG Pradhan Secretary  
Sheeta Main Self Help Group  
V.F.D.S. Committee, Kutharna

*काजल देवी*

Signature of SHG Secretary  
Sheeta Main Self Help Group  
V.F.D.S. Committee, Kutharna

*Umesh Pradhan*  
Signature of Forest Guard  
Vc Salki Bast

*Signature of B.O.*  
*B = Kain*

*Sumit*  
Signature of R.O.

*J*  
Divisional Forest Officer  
Forest Division  
Qharamshala  
Approved by DMU